हिन्दी विभाग

बी ए, बी. काम, बी.एस्सी (प्रथम वर्ष -- वर्षार्ध 1)

(गद्य -- निबंध, कहानी)

1. विद्यार्थियों को हिन्दी भाषा की संरचना और साहित्य का ज्ञाऽ प्राप्त होता है ।
2. हिन्दी भाषा के द्वारा विद्यार्थियों में विचारशक्ति और साहस को बढावा मिलता है | विद्या थियों मे समाज के प्रति अधिकार और कर्तव्यपरायणता में सक्रिय बनाती है ।
3. अच्छे चारित्रिक गुणों के ज्ञान के द्वारा समाज में व्यक्ति विशेष को आदरणीय बनाता है ।
4. सामाजिक कुरितियों को दूर करने में विद्यार्थी योगदानदेने का प्रयत्न कर सकते है ।
5. जीवन में धर्म एवं सत्य के मार्ग का अनुसरण करने की शिक्षा मिलती है ।
6. हिन्दी भाषा के द्वारा नुतन साहित्य का निर्माण कर साहित्य सेवा कर सकते है ।
7. भाषा साहित्य द्वारा भारतीय संस्कृति का ऐतिहासिक और विवरणात्मक परिचय मिलता है ।

बी ए, बी. काम, बी.एस्सी (प्रथम वर्ष -- वर्षार्ध 2)

(गद्य -- कहानी, जीवन वर्णन, यात्रा वर्णन)

1. यात्रा वर्णन द्वारा विद्यार्थियों को प्रादेशिक सौंदर्य वर्णन से आनंद की अनुभूति होती है ।
2. विकसित भाषा ज्ञान द्वारा राजनीति जैसे विषय पर अपने विचार व्यकत कर देश का भविष्य उज्वल बना सकते है ।
3. पुरानी पीढी - नयी पीढी के मध्य पारिवारिक मूल्यों को विकसित किया जा सकता है ।
4. चरित्र चित्रण के द्वारा नारी के विविध स्वाभाविक पहलुओं को दर्शाया जा सकता है ।
5. पत्र लेखन के द्वारा मन के विचारों अथवा भावों को लिखितरुप में भेज सकते है ।
6. नाट्य कला के द्वारा पाखंडपूर्ण, दांभिक जीवन का यथार्थ चित्र प्रस्तुत कर सकते है ।
7. महानुभावों के जीवन से प्रेरित होकर धर्मांधता और सामाजिक विषमता को दूर करने का प्रयास कर सकते है ।
8. जन साधारण में प्रदूषण जैसी समस्या के प्रति जागरूकता ला सकते है ।

बी ए, बी. काम, बी.एस्सी (द्वितीय वर्ष -- वर्षार्ध 3)

(गद्य -- हिन्दी साहित्य का इतिहास पद्य -- प्राचीन, आधुनिक)

1. दोहे,पद आदि के पठन पाठन से भारतीय प्राचीन भाषा का ज्ञान मिलता है ।
2. आधुनिक कविता पठन के द्वारा संस्कृत निष्ठ शब्दावली का प्राचुर्य दर्शित होता है ।
3. आदिकाल में हिन्दी भाषा तथा उसके काव्य रुप के अंकुरित होने का ज्ञान मिलता है ।
4. आधुनिक कविता में भाव के साथ रसात्मक, प्रवाहात्मक, प्रतिकात्मक तथा लाक्षणिकता जैसे गुण विशेष की जानकारी मिलती है ।
5. साहित्य एक प्रवाहमान धारा के सद्रुश होता है । इसके द्वारा तत्कालीन जनता की मनोव्रुत्ति और विचारधारा को समझने में सहायता होती है ।
6. भाषा साहित्य के इतिहास के द्वारा भक्ति मार्ग का महत्व समझ सकते है ।
7. सामान्य विषयों पर निबंध लेखन से विद्यार्थियों की लेखन शैली उत्कृष्ट बनती है।
8. उत्कृष्ट भाषा ज्ञान तथा विकसित लेखनशैली के द्वारा पत्रकारिता और प्रसार माध्यम के क्षेत्र मे कार्य कर सकते है।